RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 07 अक्टूबर 2023 वर्ष 05 अंक 164 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई पुलिस ने 300 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन जब्त की

मुंबई : मुंबई पुलिस ने एक अभियान के तहत 300 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन जब्त की और कई शहरों से 12 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

12 लोग गिरफ्तार

पुलिस के मुताबिक, यह अभियान पिछले कई दिनों से जारी था। अधिकारी के मुताबिक, नासिक जिले के एमआईडीसी शिंदे गांव में स्थित एक फैक्टरी में छापेमारी के बाद 151.305 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त की गई, जिसकी कीमत 300.26 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि साकी नाका थाने की एक टीम ने मुंबई के अलग-अलग हिस्सों के साथ-साथ तेलंगाना के हैदराबाद और नासिक में एक गिरोह के 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

क्या शरद पवार ने जांच एजेंसियों के भय से 2019 में बीजेपी से किया था संपर्क? देवेंद्र फडणवीस ने पूछा सवाल

मुंबई : महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरूवार को जानना चाहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अध्यक्ष शरद पवार ने 2019 में क्या केंद्रीय जांच एजेंसियों के भय से बीजेपी से संपर्क कर सरकार बनाने की इच्छा जताई थी? फडणवीस ने यह टिप्पणी शरद पवार द्वारा उनके भतीजे अजित पवार के नेतृत्व में एनसीपी की ओर से की गई बगावत और इस साल जुलाई में बीजेपी-शिवसेना सरकार में शामिल होने की आलोचना करने के एक दिन बाद आई है. शरद पवार ने कहा था कि जो बीजेपी के साथ गए हैं उनका एनसीपी से कोई लेना देना नहीं है और उन्होंने जांच एजेंसियों के भय से पाला बदला है.

फडणवीस ने बुधवार को दावा किया था कि शरद पवार ने बीजेपी को समर्थन देकर सरकार बनाने की इच्छा जताई थी. हालांकि, एनसीपी सुप्रीमो ने उनके दावे का खंडन किया था. एक कार्यक्रम से इतर जब संवाददाताओं ने पवार की टिप्पणी को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा, ''मैं बस यह जानना चाहता हूं कि क्या वह (शरद पवार) 2019 में बीजेपी के पास केंद्रीय जांच एजेंसियों के भय से आए थे? यहां तक 2017 में भी पवार ने (बीजेपी के साथ)सरकार बनाने की संभावना पर चर्चा की थी. वह बहुत अच्छी तरह जानते हैं कि क्यों लोगों ने उनकी पार्टी छोड़ी.''

'हमारे ऊपर बोझ है, कहकर नहीं बच सकते...', अस्पतालों में हुई मौतों पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने दी महाराष्ट्र सरकार को नसीहत

मुंबई : महाराष्ट्र के नांदेड़ और छत्रपति संभाजीनगर (पूर्व औरंगाबाद) के सरकारी अस्पतालों में हाल ही में कई मरीजों की मौत हुई है. बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है. हाईकोर्ट ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार सरकारी अस्पतालों में मरीजों की हुई मौत से बच नहीं सकती है. दोनों शहरों में 20 से ज्यादा मरीजों के जान गंवाने के मामले सामने आए हैं. विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए लापरवाही की बात कही है. चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने कहा, 'आप ये कहकर बच नहीं सकते हैं कि हमारे ऊपर बोझ है. आप एक राज्य हैं. आप अपनी जिम्मेदारियों को प्राइवेट प्लेयर को नहीं सौंप सकते हैं.' उन्होंने आगे कहा, 'इसे कैसे मजबूत करें? इस बात की जानकारी पेपर में मौजूद हैं. लेकिन अगर वह जमीन तक नहीं पहुंच रहा है, तो फिर कोई मतलब नहीं हुआ.' दरअसल, हाईकोर्ट की तरफ से ये फटकार ऐसे समय पर लगाई गई है, जब सरकार ने दवाओं, बेड आदि के कम होने की बात कही. इंडिया टुडे के मुताबिक, महाराष्ट्र के एडवोकेट जनरल ने कहा कि हाल ही में अस्पताल में हुई मौतों की वजह बड़ी पैमाने पर हुई लापरवाही नहीं लगती है. एडवोकेट जनरल ने कहा, 'ऐसा नहीं लगता है कि अस्पतालों के जरिए कोई बड़ी लापरवाही बरती गई है. ये दुख की बात है कि यहां जो कुछ हुआ और फिर लोगों की मौत हुई.' महाराष्ट्र सरकार मरीजों की मौत को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की तरफ से नोटिस भी मिला है.

चार हफ्ते में सरकार से जवाब भी मांगा गया है.

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार (4 अक्टूबर) को अस्पतालों में मरीजों की हुई मौतों का स्वतः संज्ञान लिया. डॉक्टरों का कहना था कि इन मौतों की वजह बेड, स्टाफ और जरूरी दवाओं की कमी है. हालांकि, अदालत ने साफ कर दिया कि इन वजहों को स्वीकार नहीं किया जा सकता है. हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से इस मामले पर एक विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है. महाराष्ट्र सरकार से अदालत ने राज्य में स्वास्थ्य पर खर्च किए जाने वाली राशि का ब्यौरा भी मांगा है.

तेंदुए की दहशत में गुजरती है रात, डरावना है CCTV में कैद तेंदुए का वीडियो

ठाणे : भायंदर पश्चिम उत्तन डोंगरी के पास पालखाड़ी के ग्रामीण क्षेत्र में रात्रि के समय तेंदुआ के विचरण करने का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो सामने आने बाद एक बार फिर ग्रामीणों की रात डर के साए में बीत रही है। पालखाड़ी गांव के आंब्री घार्षी नामक ग्रामीण के घर के पास 4 अक्टूबर की देर रात 2.30 बजे के आसपास एक तेंदुए की फोटो सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। इसके बाद से आस पास के ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ गई है। गुरुवार को वन विभाग के अधिकारियों ने इस परिसर का मुआयना किया और ग्रामीणों को तेंदुए से अपनी रक्षा करने, सावधानी बरतने को कहा है। साथ ही वन अधिकारियों ने तेंदुए के आने-जाने के मार्ग पर नजर रखने के लिए कैमरे लगाए हैं। इससे पूर्व भी अगस्त 2022 में इस परिसर में रात्रि के समय विचरण करते हुए एक तेंदुए की फोटो सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। इसके बाद 24 मार्च 2023 को डोंगरी के पालखाडी गांव के ही स्थानीय किसानों

द्वारा फसल को नुकसान पहुंचाने वाले जंगली सूअर को पकड़ने के लिए लगाए गए पिंजरे के ट्रैप (जाल) में एक तेंदुआ कैद हो गया था। स्थानीय निवासी फ्रीडा मोराईस द्वारा इसकी सूचना वन अधिकारियों को दिए जाने के बाद वन अधिकारी विजय बराबदे तथा प्राणी चिकित्सक निखिल बांगर अपने दल के साथ वहां आकर सूअर के पिंजरे में फंसे तेंदुए को अपने साथ लाये पिंजरे में स्थानांतरित कर उसे अपने साथ संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में ले गए थे।

बता दें कि मुंबई से सटे भायंदर पश्चिम के उत्तन, डोंगरी रोड पर स्थित केशव सृष्टि परिसर के पास पालखाड़ी गांव में एक तेंदुआ (लेपर्ड) के विचरण करने की खबर से स्थानीय निवासियों में एक अनजान भय का माहौल व्याप्त है। केशव सृष्टि करीब 150 से अधिक एकड़ क्षेत्रफल में फैला एक नैसर्गिक पहाड़ी परिसर है। जो जंगल, नदी, तालाब, पहाड़ से घिरा हुआ है। जहां पर शैक्षणिक, प्रलुप्त हो रही वनस्पतियों के संरक्षण-संवर्धन, जड़ी-बूटियों के परीक्षण, कृषि क्षेत्र में शोध, गो-सेवा केंद्र, आवासीय विद्यालय, वानप्रस्थ आश्रम आदि विभिन्न प्रकार के उपक्रम संचालित किए जातें है। इस परिसर में कई आदिवासी इलाके भी स्थित है। इसके अलावा इसके इर्दगिर्द ही ज्यूडिशियल अकेडमी, गोराई, उत्तन, डोंगरी, पाली आदि गांव भी स्थित है।

संपादकीय / लेख

बेहतरीन स्थिति में कैसे पहुंचा चीन?

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

चीन में मंदी और 'चाइना प्लस वन' (निवेश के लिए चीन के अलावा एक अन्य केंद्र) की रणनीति को लेकर बहस के बीच एक खतरा इस बात को भुला बैठने का भी है कि किस तरह चीन ने अगले कई दशकों के सबसे अहम कारोबारों के लिहाज से स्वयं को सर्वाधिक अनुकूल स्थिति में पहुंचा दिया है। ये कारोबार हैं सौर और पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, नए-महत्त्वपूर्ण पदार्थ और शायद सेमीकंडक्टर भी। विभिन्न देश इस बात से जूझ रहे हैं कि ऐसे दबदबे से कैसे निपटा जाए। इस बीच यह समझना आवश्यक है कि चीन का मौजूदा दबदबा महज संयोग है या फिर वह पहले से हासिल विनिर्माण शक्ति का ही प्रदर्शन है। यह भी कि रणनीतिक दूरदर्शिता कितनी महत्त्वपूर्ण थी या फिर पश्चिमी दुनिया ढीली पड़ गई? इसका जवाब है-उपरोक्त सभी। बीते 15 से 20 वर्षों में एक किस्म का औद्योगिक तख्तापलट जैसा हुआ है। जबकि हमारे नीतिगत विशेषज्ञ खिलौनों और वस्त्रों के क्षेत्र में चीन की नीतियों का अनुकरण करने की वकालत कर रहे थे। दुनिया ने जागने में बहुत देर कर दी। अमेरिका सिलिकन वैली में अपने तकनीकी उद्योगपतियों की कामयाबी और लाखों करोड़ डॉलर की संपत्ति तैयार होने का जश्न मना रहा था।

इस बीच चीन उसकी आपूर्ति का आधार बन गया। वह चुपचाप नए बुनियादी कारोबारों में दबदबा कायम करता गया। आज चीन जिस स्थिति में है वहां वह दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहन, सौर पैनल और पवन ऊर्जा टर्बाइन तथा इनके निर्माण से जुड़े उपकरणों की अधिकतम आपूर्ति कर सकता है। इन क्षेत्रों में चीन पर निर्भरता समाप्त करने में कई वर्षों का समय लगेगा। इस बीच चीन ऐसी स्थिति में है कि वह व्यापार प्रतिबंधों की धमकी दे सकता है। हाल ही में गैलियम और जर्मेनियम की आपूर्ति रोककर उसने ऐसा दिखाया। ये धातुएं चिप निर्माण के लिए अहम हैं। पश्चिम को स्वयं को ही दोष देना चाहिए। जिस समय सदी करवट ले रही थी, जर्मनी ने छतों पर सौर पैनलों की स्थापना को बढ़ावा दिया और उसने चीन को प्रोत्साहित किया कि वह इनकी मांग पूरी करे। अन्य यूरोपीय देशों ने भी ऐसा ही किया। इसके बाद चीन ने तेजी से उत्पादन का विस्तार किया जिससे उसका लागत लाभ बढ़ा। सब्सिडी इसके अलावा थी। इसके चलते पश्चिमी देशों के सैकड़ों प्रतिस्पर्धी बाहर हो गए। अब सौर पैनल की पूरी मूल्य श्रृंखला पर चीन का दबदबा है। विंड टर्बाइन बाजार में चीन की हिस्सेदारी 60 फीसदी की है और दवाओं के निर्माण में काम आने वाले कच्चे माल पर उसका नियंत्रण है। भारत का दवा उद्योग भी उसी पर निर्भर है। इस बीच चीन की कार कंपनियों ने इलेक्ट्रिक वाहनों के भविष्य को पहचान लिया। बैटरी तकनीक इन वाहनों के लिए सबसे अहम है और चीन ने इस क्षेत्र में अहम तकनीकी बढ़त हासिल करके सस्ती बैटरियां तैयार कीं। चीनी कंपनियों द्वारा सस्ती इलेक्ट्रिक कार तैयार करने से बिक्री बढ़ने लगी। इसके साथ ही टेस्ला को यह प्रोत्साहन भी मिला कि वह शांघाई की एक बड़ी बैटरी निमार्ता फैक्टरी में निवेश करे। रणनीतिक दूरदर्शिता की बात करें तो कच्चे माल के क्षेत्र में यह सर्वाधिक स्पष्ट है। चीन ने कॉन्गो के कोबाल्ट और बोलिविया के लीथियम के अधिकांश हिस्से का उत्खनन किया। उसने पश्चिमी कंपनियों का स्थान लिया। जब इंडोनेशिया ने गैर परिशोधित निकल का निर्यात बंद किया तो चीन के रिफाइनर बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए। चीन ने ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और यूरोप में भी ऐसी कंपनियां खरीदीं जिनके पास तकनीक थी या फिर जो अहम उपकरण बनाती थीं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

महाराष्ट्र/ नांदेड़ मरीज की मौत के मामले में डॉक्टर बरी...

नांदेड़: नांदेड़ के डॉ. जांच कमेटी ने कहा है कि शंकरराव चव्हाण सरकारी अस्पताल में मरीजों की मौत के मामले में डॉक्टर निर्दोष हैं. कमेटी ने राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंप दी है. डॉ। मीनाक्षी भट्टाचार्य, डॉ. प्रणिता जोशी, डॉ. सूत्रों ने बताया कि भरत चव्हाण ने पूरी स्थिति की समीक्षा की है और स्पष्ट किया है कि डॉक्टर दोषी नहीं हैं. डॉ। दिलीप म्हैसेकर की अध्यक्षता वाली एक अन्य समिति ने भी राज्य और केंद्र सरकार को रिपोर्ट भेजी है। माना जा रहा है कि डॉक्टर को 'क्लीन चिट' दे दी गई है। छत्रपति संभाजीनगर में 'घाटी' की एक समिति ने भी रिपोर्ट दी है. सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में मरने वाले सभी मरीज गंभीर रूप से बीमार थे और अधिकांश मौतें रेफर किए गए मरीज थे। गणेशोत्सव और महालक्ष्मी उत्सव के कारण उस दौरान निजी अस्पतालों से नांदेड़ के सरकारी अस्पताल में अधिक मरीज भर्ती हुए थे, ऐसा घाटी के तीन सदस्यीय डॉक्टरों की समिति की रिपोर्ट में भी सामने आया है. महत्वपूर्ण बात यह है कि रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एक नवजात वार्मर ने दो, तीन और तीन नवजात शिशुओं का इलाज किया और नांदेड़ के अस्पताल में 75 नवजात शिशुओं के लिए केवल दो नर्सें उपलब्ध थीं। हालाँकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सभी मृतक मरीजों को सभी आवश्यक दवाएँ मिली थीं।

इस बीच, राज्य के अधिकांश सरकारी अस्पतालों में नर्सों की कमी के साथ-साथ एक वार्मर पर दो-तीन नवजात शिशुओं का इलाज करने की स्थिति कमोबेश यही है, लेकिन संक्रमण को रोकने के लिए इस तस्वीर को बदलने की जरूरत है। तीन दिन पहले सरकारी अस्पताल में 24 घंटे में 24 मरीजों की मौत हो गई थी. इसके बाद पूरे राज्य में हंगामा मच गया. इस बीच पिछले 24 घंटे में 14 लोगों की अस्पताल में मौत हो गई. इसमें चार बच्चे शामिल हैं. इस दौरान 124 मरीजों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि 38 मरीजों की बड़ी सर्जरी की गई। दिन भर में 170 नए मरीज भर्ती हुए हैं, फिलहाल 1103 मरीजों का इलाज चल रहा है.

स्थानीय स्तर पर दवा खरीदें

जनस्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा एवं औषधि विभाग को स्थानीय स्तर पर दवाएं खरीदने की अनुमति दी गई है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया कि योजना समिति इस संबंध में धन मुहैया कराये. इससे दवा स्टॉक की उपलब्धता में मदद मिलेगी. इस बीच, अगर नांदेड़ के अस्पतालों में दवाओं की कमी है, तो निदेशक मंडल ने स्पष्ट किया कि गुरुद्वारा मंडल मदद करने के लिए तैयार है। परिजनों का आरोप, नर्स के हाथ से गिरने से हुई नवजात की मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अलग-अलग कारण सामने आया सरकारी अस्पताल में मरीजों की मौत के मामले में डॉ. श्याम वाकोडे और तीन अन्य डॉक्टरों के खिलाफ मौत का मामला दर्ज किया गया है।

मुंबई की हवा प्रदूषित, दीवाली के दौरान वायु प्रदूषण के और भी बढ़ने की संभावना...

मुंबई : मुंबई में पिछले कुछ दिनों से बारिश नहीं हो रही है, इसका असर अब प्रदूषण के रूप में सामने आने लगा है। बारिश नहीं होने के कारण हवा में प्रदूषित तत्वों की मात्रा बढ़ गई है। बता दें कि बारिश का पानी हवा में मौजूद प्रदूषित तत्वों को कम कर देता है। दो दिनों से मुंबई की हवा 'खराब' हो रही है, इसका सबसे ज्यादा असर कुलाबा, वर्ली, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में दिखाई दे रहा है। अगर बारिश नहीं होती है तो प्रदूषण का प्रभाव और भी बढ़ सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले समय में खासकर दीवाली जैसे त्योहारों के दौरान वायु प्रदूषण के और भी बढ़ने की संभावना है। मुंबई में मंगलवार को नवी मुंबई में एक्यूआई २०१, मलाड में २००, मझगांव में १७०, अंधेरी में १६१ और कोलोबा में ३१८ दर्ज किया गया, जो खराब से मध्यम श्रेणी में था।

हार्बर लाइन पर ट्रेनें 15 मिनट की देरी से जूझ रही हैं

पनवेल-बेलापुर सेक्शन को राहत

महाराष्ट्र : मुंबई महानगरीय क्षेत्र में यात्रियों ने शुक्रवार को राहत की सांस ली क्योंकि पनवेल-बेलापुर खंड पर ट्रेन सेवाओं में कल के व्यवधान की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया। जबकि हार्बर लाइन अभी भी अस्थायी गति प्रतिबंधों के कारण 15 मिनट की देरी से जूझ रही है, अधिकांश ट्रांस हार्बर लोकल ट्रेन सेवाएं निर्धारित समय के अनुसार चल रही हैं, शुक्रवार को केवल एक ट्रेन रद्द की गई। 5 अक्टूबर, 2023 को, यात्रियों को सुबह के व्यस्त घंटों के दौरान काफी असुविधा का सामना करना पड़ा, जब पनवेल और बेलापुर के बीच ट्रांस हार्बर उपनगरीय ट्रेनों को 2-3 घंटे तक आंशिक रूप से रद्द करना पड़ा। इस स्थिति के कारण दैनिक यात्रियों में व्यापक निराशा हुई।

6 अक्टूबर को बड़े पैमाने पर रद्दीकरण की कोई रिपोर्ट नहीं

हालाँकि, 6 अक्टूबर, 2023 को हार्बर या ट्रांस हार्बर लाइनों पर बड़े पैमाने पर रद्दीकरण की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। सुबह से केवल एक ट्रांस हार्बर लोकल ट्रेन रद्द कर दी गई है, जिससे यात्रियों को सामान्य स्थिति का एहसास हो रहा है। हार्बर लाइन पर 15 मिनट की देरी का प्राथमिक कारण पनवेल यार्ड में लगाए गए 30 किलोमीटर प्रति घंटे की गति प्रतिबंध को माना जाता है। गति में यह कमी क्षेत्र में चल रहे यार्ड रीमॉडलिंग कार्य का परिणाम है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ये गति प्रतिबंध अगले कुछ दिनों तक जारी रहेंगे, जिससे हार्बर लाइन सेवाओं में थोड़ी देरी होगी। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे इस अवधि के दौरान तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

मुंबई के गोरेगांव में बिल्डिंग में आग लगने से 7 लोगों की मौत, 35 से ज्यादा घायल...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के गोरेगांव से बड़ी खबर सामने आई है. यहां आजाद नगर में एक बहुमंजिला इमारत में आग लग गई है. इस हादसे में 6 लोगों की जलकर मौत हो गई है, जबकि 45 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए हैं, जिनमें से दो की हालत नाजुक बताई जा रही है. घायलों के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है. यह आग गोरेगांव स्थित समर्थ नामक 7 मंजिला इमारत में लगी है.

इस हादसे में बिल्डिंग की पार्किंग में खड़ी चार कार और 30 से ज्यादा बाइक पूरी तरह से जलकर राख हो गई हैं. हालांकि घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची दमकल की 10 से ज्यादा गाड़ियों ने किसी तरह से आग पर काबू पाया है. स्थानीय लोगों की मानें तो बिल्डिंग की पार्किंग में काफी पुराना कपड़ा रखा हुआ था, जिसमें किसी वजह से आग लग गई होगी. देखते ही देखते आग ने पार्किंग के साथ ही पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया. फिलहाल मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद है. आग लगने के कारणों की अभी पुख्ता जानकारी नहीं मिली है. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. ताजा जानकारी के अनुसार गोरेगांव में एक इमारत में आग लगने से कुल 51 घायलों में से अब तक 7 लोगों की मृत्यु की खबर है. जबकि 5 की हालत गंभीर है, 35 लोगों का इलाज चल रहा है और 4 घायलों को छुट्टी दे दी गई है.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 07 अक्टूबर 2023

फड़नवीस ने मुंबई इमारत में आग लगने से हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया...

गोरेगांव : महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़नवीस ने मुंबई के गोरेगांव में एक इमारत में आग लगने से हुई जान के नुकसान पर दुख व्यक्त किया। ''गोरेगांव, मुंबई में आग लगने की घटना में जानमाल के नुकसान के बारे में जानकर दुख हुआ। हम बीएमसी और मुंबई पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हैं और सभी सहायता प्रदान की जा रही है। उन परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और शीघ्रता से शीघ्रता की कामना करता हूं।'' घायलों के स्वास्थ्य में सुधार, ''देवेंद्र फड़नवीस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया।

मुंबई के गोरेगांव स्थित जय भवानी बिल्डिंग में शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे लगी आग में अब तक सात लोगों की मौत की खबर है। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, 51 लोगों को बचाया गया और हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे मेडिकल कॉलेज और डॉ आरएन कूपर म्यूनिसिपल जनरल अस्पताल ले जाया गया। कुल 51 घायलों में से पांच लोगों की हालत गंभीर बताई गई है. 35 लोगों की चोटों का इलाज किया जा रहा है और चार घायलों को छुट्टी दे दी गई है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अनुसार, लेवल 2 की आग की घटना ऊपरी सात मंजिला आवासीय इमारत की निचली मंजिलों तक ही सीमित थी, जिसमें भूतल पर कुछ दुकानें थीं। आग में कई वाहन और स्क्रैप सामग्री भी जलकर खाक हो गई।

इसमें आगे कहा गया कि आग लगने के बाद इमारत के निवासी ऊपरी मंजिल पर फंसे हुए थे और बाद में उन्हें बचा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि आजाद मैदान के पास एमजी रोड पर जय भवानी बिल्डिंग में लगी आग लेवल 2 श्रेणी की थी। मुंबई नगर निगम, पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने और बचाव कार्य कर रहे हैं।

आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए 1750 करोड़ रुपये का बीमा

मुंबईः स्टार इंडिया ने भारत में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के दौरान खेले जाने वाले सभी मैचों के लिए विज्ञापन राजस्व के किसी भी संभावित नुकसान के खिलाफ 1750 करोड़ रुपये का बीमा कवर लिया है। उद्योग सूत्रों ने एफसी को बताया कि कट्टर दुश्मन भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए 110 करोड़ रुपये का बीमा किया गया है। पॉलिसी कवर के नियमों और शर्तों के अनुसार, मैच रद्द होने की स्थिति में बीमा कंपनियों द्वारा डिज्नी स्टार को अधिकतम 500 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। पॉलिसी को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह मौसम की स्थिति और आपदाओं के कारण मैच रद्द होने को कवर करेगी। न्यू इंडिया एश्योरेंस 73 प्रतिशत जोखिम को कवर करने वाला प्रमुख बीमाकर्ता है, इसके बाद एसबीआई जनरल इंश्योरेंस है जिसकी हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है और फ्यूचर जेनराली इंडिया इंश्योरेंस पॉलिसी में शेष दो प्रतिशत जोखिम को कवर करता है।

''इस बार, मैच रद्द होने के कारण विज्ञापन के नुकसान को कवर करने के लिए पॉलिसी की बीमा राशि 1750 करोड़ रुपये है। नुकसान की सीमा (बीमाकर्ता अधिकतम राशि का भुगतान करेंगे) को बढ़ाकर 500 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिसमें फाइनल और फाइनल को छोड़कर प्रति मैच की सीमा 45 करोड़ रुपये है। भारत के मैच। 2019 विश्व कप में, कुल बीमा राशि 1477 करोड़ रुपये थी, प्रीमियम 59 करोड़ रुपये था, नुकसान की सीमा 150 करोड़ रुपये थी और प्रति मैच सीमा 40 करोड़ रुपये थी, ''उद्योग के एक अधिकारी ने एफसी को बताया।

उन्होंने कहा, ''भारत जिन सभी मैचों में खेलेगा, उन सभी का 110 करोड़ रुपये का बीमा किया गया है। फाइनल मैच के लिए भी 110 करोड़ रुपये का बीमा है। यह स्टार इंडिया (डिज्नी हॉटस्टार) के लिए एक पूर्ण मैच कवर है और एक गेंद का कवर नहीं है।'' एक उद्योग अधिकारी. ब्रोकरेज फर्म एलारा कैपिटल के एक नोट के अनुसार, टूर्नामेंट से टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संयुक्त विज्ञापन राजस्व में 2,000-2,200 करोड़ रुपये उत्पन्न होने की उम्मीद है, जबकि चार साल पहले 2019 संस्करण में यह 1,350 करोड़ रुपये था। इस वर्ष 26 ब्रांडों ने प्रायोजक के रूप में हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें फोनपे, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंडसइंड बैंक, एमआरएफ टायर्स, लेंडिंगकार्ट, बीपीसीएल, गूगल पे और अन्य शामिल हैं।

गुरुवार को शुरू हुआ यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 45 दिनों (5 अक्टूबर से 19 नवंबर) तक चलेगा, जिसमें 10 टीमों के बीच 48 मैच होंगे और देश भर के 10 स्थानों पर इस खेल महोत्सव को देखने के लिए कम से कम 25 लाख लोग आएंगे। अहमदाबाद उद्घाटन मैच और फाइनल की मेजबानी करेगा। 2019 विश्व कप के लिए कुल दर्शकों की संख्या (टीवी, ओटीटी जैसे माध्यमों के माध्यम से) 552 मिलियन भारतीय दर्शकों से कहीं अधिक होने की उम्मीद है, जबकि बड़ी संख्या में दुनिया भर में अपने घरों से इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट को देखने की भी उम्मीद है।

मुंबई के मालवानी में डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया...

दो से अधिक बलात्कार की शिकायतों पर मामला दर्ज

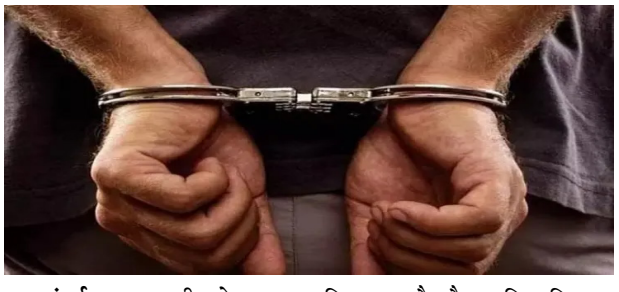

मुंबईः मालवानी के एक डॉक्टर योगेश भानुशाली को बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनके खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए हैं - एक 27 सितंबर को और दूसरा 3 अक्टूबर को। पीड़ितों में से एक का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील रफीक गोरी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि और भी पीड़ित सामने आएंगे।

वकील ने कहा कि भानुशाली ने एक अलग पैटर्न का पालन किया। वह इंस्टाग्राम के जरिए महिलाओं से संपर्क करता था और उन्हें रिश्ते में फंसाता था। उन्होंने उन्हें अपने आवास पर आमंत्रित किया, उन्हें भूतल पर रहने वाले अपने परिवार से मिलवाया और फिर उन्हें ऊपर अपने निजी आवास में ले गए, जहां उन्होंने उन्हें अपने बालों को सीधा करने और पब में जाने के लिए आकर्षक कपड़े पहनने के लिए राजी किया। वह उनके साथ शारीरिक संबंध बनाता था और उन्हें अंतरंग टैटू बनवाने के लिए मनाता था।किसी नई महिला से मिलने के बाद, वह पिछली महिला को छोड़ देता था, उसके पैसे और गहने लूट लेता था और अश्लील तस्वीरें वायरल करने की धमकी देता था।

परिवार ने पीड़िता को केस वापस लेने की धमकी दी...

उनके परिवार ने भी कथित तौर पर पीड़ितों पर अपना मामला वापस लेने का दबाव डाला। जर्मनी में रहने वाली उसकी बहन ने कथित तौर पर पीड़ितों में से एक से संपर्क किया और उस पर दबाव डाला।इनमें से एक मामला एक पुलिस कांस्टेबल की बहन नर्स ने दर्ज कराया था। उसके खिलाफ पिछले दिनों पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था. वकील गोरी ने भी उनकी डिग्रियों की जांच की मांग की है क्योंकि उन्होंने अलग-अलग मौकों पर विभिन्न डिग्रियां होने का दावा किया है। गोरी ने कहा कि उन्होंने अदालती कार्यवाही के दौरान वीडियो रिकॉर्डिंग के जरिए पीड़िता की पहचान भी उजागर की थी.

ईसीआई, राजनीतिक दलों, मीडिया ने मुसलमानों को हाशिये पर धकेलने की साजिश रची: महाराष्ट्र के पूर्व आईजीपी अब्दुर रहमान

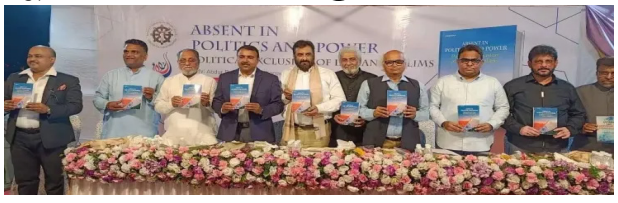

मुंबईः राज्य के पूर्व पुलिस महानिरीक्षक अब्दुर रहमान ने कहा कि संसद और राज्य विधानसभाओं में मुसलमानों के खराब प्रतिनिधित्व के लिए भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई), राजनीतिक दलों, प्रेस और बुद्धिजीवियों सहित देश के राजनीतिक पारिस्थितिकी तंत्र के सभी घटकों को दोषी ठहराया जाता है गुरुवार को। पिछले 75 वर्षों के दौरान देश भर में संसद और विधान सभाओं की धार्मिक संरचना का डेटा प्रदान करते हुए, पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी ने कहा कि सत्ता की सीटों पर मुसलमानों का अनुपात उनकी हिस्सेदारी से बहुत कम रहा है जनसंख्या। उन्होंने कहा कि यह कम प्रतिनिधित्व समुदाय के सामाजिक-आर्थिक हाशिए पर जाने का प्राथमिक कारण है। यह संविधान में परिकल्पित राजनीतिक न्याय और समावेशी लोकतंत्र के आदर्श को भी कमजोर करता है। अब्दुर रहमान, जिन्होंने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम का विरोध करने के लिए 2019 में सार्वजनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया था, अपनी नई किताब, एब्सेंट इन पॉलिटिक्स एंड पावरः पॉलिटिकल एक्सक्लूजन ऑफ इंडियन मुस्लिम्स के उद्घाटन के लिए शहर में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह पुस्तक आजादी के बाद से अल्पसंख्यक समुदाय के ''राजनीतिक अभाव'' के कारणों पर चर्चा करते हुए, स्थिति को सुधारने के संभावित तरीकों पर भी चर्चा करती है। ''राजनीतिक सशक्तिकरण ही वास्तविक सशक्तिकरण है। हम चिल्ला रहे हैं, हमारी आवाज क्यों नहीं सुनी गई. इसका कारण यह है कि हम विधानसभाओं और लोकसभा में नहीं हैं. इसलिए मैंने किताब लिखी,'' रहमान ने कहा, जिन्होंने पहले क्रमशः सच्चर समिति की रिपोर्ट और रिपोर्ट के जारी होने के बाद मुसलमानों की स्थिति पर दो किताबें लिखी थीं। पूर्व पुलिसकर्मी ने कहा कि ईसीआई ने कई मुस्लिम-केंद्रित निर्वाचन क्षेत्रों को पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षित करके मुस्लिम प्रतिनिधियों के लिए अवसरों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसे ''प्रतिकूल गैरमांडरिंग'' का एक रूप बताते हुए, उन्होंने समुदाय के सदस्यों से सतर्क रहने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय को आगामी परिसीमन अभ्यास में उचित सौदा मिले।

उन्होंने कहा, ''ईसीआई ने कई मुद्दों पर काम किया है जैसे छोटे दलों और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग के लिए प्रतिनिधित्व साबित करना, लेकिन मुस्लिम प्रतिनिधित्व पर नहीं।'' रहमान ने आम और विधानसभा चुनावों में मुस्लिम प्रतियोगियों को पर्याप्त टिकट नहीं देने के लिए विभिन्न राजनीतिक समूहों पर भी निशाना साधा। उन्होंने महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में मुस्लिम आबादी वाले कई लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों को सूचीबद्ध किया, जहां समुदाय का कोई प्रतिनिधि नहीं है। पूर्व आईजीपी ने कहा कि समुदाय को भी इस स्थिति के लिए दोष साझा करना चाहिए।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार 07 अक्टूबर 2023

मुंबई इमारत में आग: पीएम मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजन को २-२ लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की

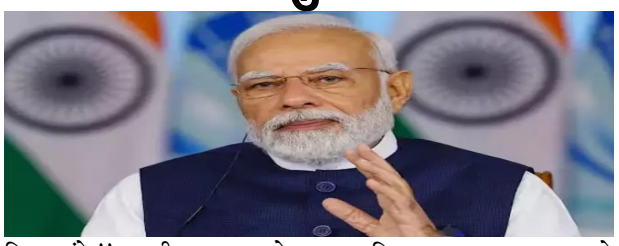

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मुंबई के गोरेगांव में एक इमारत में लगी आग में जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। सुबह करीब तीन बजे जय भवानी बिल्डिंग में लगी आग में सात लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। ''मुंबई के गोरेगांव में आग लगने की घटना के कारण जानमाल के नुकसान से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द ही ठीक हो जाएं। अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि पीएम मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, ''प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ दिया जाएगा। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।'' इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी आग में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और घोषणा की कि राज्य सरकार उनके परिवारों को 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद देगी।

''मैं नगर निगम आयुक्त और पुलिस से लगातार बात कर रहा हूं... जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं मरने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। सरकार उनके परिवारों को 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद देगी। जो लोग घायल हैं उनका इलाज कराया जाएगा।'' सरकार, ''महाराष्ट्र के सीएम ने कहा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने कहा कि वह सहायता प्रदान करने के लिए बीएमसी और मुंबई पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हैं।

''गोरेगांव, मुंबई में आग लगने की घटना में जानमाल के नुकसान के बारे में जानकर दुख हुआ। हम बीएमसी और मुंबई पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हैं और सभी सहायता प्रदान की जा रही है। उन परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और शीघ्रता से शीघ्रता की कामना करता हूं।'' घायलों को स्वास्थ्य लाभ, ''देवेंद्र फड़नवीस ने एक्स पर पोस्ट किया। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, 51 लोगों को बचाया गया और हिंदूहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे मेडिकल कॉलेज और डॉ आरएन कूपर म्यूनिसिपल जनरल अस्पताल ले जाया गया। कुल 51 घायलों में से पांच लोगों की हालत गंभीर बताई गई है. 35 लोगों की चोटों का इलाज किया जा रहा है और चार घायलों को छुट्टी दे दी गई है।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अनुसार, लेवल 2 की आग की घटना ऊपरी सात मंजिला आवासीय इमारत की निचली मंजिलों तक ही सीमित थी, जिसमें भूतल पर कुछ दुकानें थीं। आग में कई वाहन और स्क्रैप सामग्री भी जलकर खाक हो गई। इसमें आगे कहा गया कि आग लगने के बाद इमारत के निवासी ऊपरी मंजिल पर फंसे हुए थे और बाद में उन्हें बचा लिया गया। मुंबई नगर निगम, पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर आग बुझाने और बचाव कार्य कर रहे हैं।

NIA मुंबई से पुलिस निरीक्षक श्री नवनाथ शिंदे राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

मुंबई : केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा आयोजित तीसरे दो-दिवसीय ''एंटी टेरर सम्मेलन'' का उद्घाटन किया.उद्घाटन समारोह के मौके पर गृह मंत्री ने NIA के अधिकारियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए पदक भी प्रदान किए. इस अवसर पर केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री निशिथ प्रमाणिक, केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक और राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक सहित केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के महानिदेशक, राज्यों के पुलिस महानिदेशक, केन्द्र और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया. NIA मुंबई के पुलिस निरीक्षक श्री नवनाथ शिंदे को एंटीलिया मामला, यलगार परिषद भीमाकोरेगांव मामला , गढ़चिरौली जांच प्रदर्शन में गुणवत्ता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया ।

भिवंडी में नवरात्रोत्सव की तैयारी जोरो में शुरू

'ॐ जय बाबा मित्र मंडल' के सार्वजानिक पंडाल में किया गया भूमिपूजन

डांडिया व गरबा का आयोजन, पूजा आरती के साथ सामाजिक कार्यो को बढ़ावा...

मुस्तकीम खान

भिवंडी : गणेशोत्सव की समाप्ति के बाद अब नवरात्रोत्सव की तैयारी जोर शोर से शुरू हो गया है।जिसके मद्देनजर भिवंडी की मशहूर ' ॐ जय बाबा मित्र मंडल' ने अपने सार्वजानिक नवरात्रोत्सव का कार्य शुरू करने के लिए शुक्रवार को भूमिपूजन किया गया।जिसमे बड़े तादात में माँ भक्त मौजूद थे। भिवंडी के मध्य में कमला होटल के पीछे रुंगटा डाइंग कंपाउंड में ॐ जय बाबा मित्र मंडल द्वारा पिछले 15 वर्षो से सार्वजानिक नवरात्र जागरण उत्सव का आयोजन पत्रकार जितेंद्र तिवारी के अध्यक्षता में किया जाता है।इस वर्ष 16 वे वर्ष नवरात्रोत्सव की तैयारी मंडल की तरफ से शुरू हो गया है।जिसके तहत शुक्रवार 6 अक्टूबर को दोपहर में चार बजे पंडित सुरेश तिवारी ने बैदिक मंत्रोच्चार के बीच कनेरी के समाजसेवक रवि पाटिल,समाजसेवक नीलकंठ पाटिल मंडल के संस्थापक अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी,कार्याध्यक्ष विजय मिश्रा व सुधाकर तिवारी के हाथो कार्यक्रम का भूमिपूजन किया गया।उक्त पांचों लोगों ने वैदिक मंत्रोउच्चार के बीच नारियल तोड़कर मंडल के कार्य का शुभारंभ किया।इस दौरान मंडल के संस्थापक अध्यक्ष पत्रकार जितेंद्र तिवारी ने बताया कि ॐ जय बाबा मित्र मंडल द्वारा बंगाली पद्धति से सार्वजानिक नवरात्र का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष कार्यक्रम का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि इस बार बेहतरीन ढंग से डांडिया व गरबा का कार्यक्रम भी किया जाएगा।मंडल के संस्थापक अध्यक्ष पत्रकार जितेंद्र तिवारी ने बताया कि इस वर्ष सामाजिक कार्यक्रमों के साथ मंडल द्वारा जनजागृति का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसी तरह शहर व आस पास के अन्य सार्वजानिक मंडल नवरात्रोत्सव की तैयारी में जुटे है।भिवंडी में बड़े पैमाने पर दुर्गा पूजा किया जाता है।

रवि पाटिल, नीलकंठ पाटिल, सुधाकर तिवारी, विजय मिश्रा, विनोद त्रिपाठी(मुन्ना), चंचल पांडेय, अशोक दुबे, पत्रकार रवि तिवारी, राकेश केसरवानी, शिवचंद केसरवानी, प्रमोद केसरवानी, सुरेश केसरवानी, पवन केसरवानी, रमेश जायसवाल, सुनील जायसवाल, तेज बहादुर चौहान(कल्लू भाई)गनी खान, प्रफुल्ल बेर्डे सहित बड़े तादात में मां भक्त व मंडल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

क्लस्टरों के लिए प्रीमियम और विकास शुल्क पर एक और वर्ष की छूट

मुंबई: नगर निगम ने क्लस्टर विकास योजना के माध्यम से पुनर्विकास को बढ़ावा देने के लिए डेवलपर्स को फंगिबल मैट एरिया इंडेक्स प्रीमियम यानी प्रीमियम के साथ-साथ विकास शुल्क पर एक और वर्ष के लिए यानी 14 जून 2024 तक 50 प्रतिशत की छूट देने का फैसला किया है। मुंबई। 2020 के कोरोना काल के बाद से नगर पालिका ने लगातार चौथे साल डेवलपर्स को रियायतें दी हैं।

बृहन्मुंबई विकास नियंत्रण और संवर्धन विनियम 2034 का एक्सचेंज 33 (9) योजना के तहत पुनर्विकास में मुंबई नगरपालिका भवनों के खाली स्थानों, सीढ़ियों, लिफ्टों के लिए डेवलपर्स से फंजिबल एफएसआई लगाता है। विकास शुल्क भी लगाया जाता है. चूंकि कोरोना संकट के कारण निर्माण क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है, इसलिए बिल्डर एसोसिएशन ने प्रीमियम और विकास शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट की मांग की थी। राज्य सरकार ने यह छूट पिछले तीन साल से दी है. तीसरी बार दी गई रियायत 15 जून 2023 को समाप्त हो गई है, जिसके बाद राज्य सरकार ने नगर पालिका को इस रियायत योजना को एक और वर्ष के लिए जारी रखने का निर्देश दिया है। नगर निगम आयुक्त एवं प्रशासक इकबालसिंह चहल ने ऐसे प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह रियायत पहले से स्वीकृत और चालू और साथ ही जून, 2024 तक आगामी पुनर्विकास परियोजनाओं पर लागू होगी।

फिर भी दिल है हिंदुस्तानी...न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र के पास हैं दो भारतीय क्रिकेटरों के नाम, जानें खास कहानी...

– कोरोना काल में बिल्डरों पर पड़े असर को देखते हुए फैसला

– तीन साल बाद 15 जून को रियायत खत्म हो रही है

– शासन के निदेर्शानुसार आयुक्त ने प्रस्ताव को मंजूरी दी

आठ हजार करोड़ का नुकसान

लगातार चार साल तक दी गई इस रियायत से मनपा को 50 फीसदी यानी करीब 7 से 8 हजार करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ है. किनारा मार्ग, गोरेगांव-मुलुंड लिंक रोड, दहिसर-भाइंदर लिंक रोड, सड़क कंक्रीटिंग, पानी, सीवेज निपटान, वर्षा जल चैनल जैसे हजारों करोड़ रुपये के काम नगर पालिका द्वारा चल रहे हैं। वर्तमान में, संपत्ति कर और फंजिबल एफएसआई नगर पालिका के लिए आय के प्रमुख स्रोत हैं, जिसमें से फंजिबल और विकास शुल्क आय में 50 प्रतिशत की कमी आई है।

नगर निगम के खजाने पर दबाव

डेवलपर्स की वित्तीय बाधाओं को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने नगर पालिका को बढ़ी हुई वित्तीय रियायतें प्रदान करने का आदेश दिया है। लेकिन इससे नगर पालिका को मिलने वाला राजस्व कम हो गया है. वर्ष के लिए इस प्रीमियम पर 50 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट से राजस्व में भारी कमी आने की संभावना है। इससे नगर पालिका के खजाने पर पहले से ही दबाव बना हुआ है और प्रशासन ने इस प्रस्ताव में राय व्यक्त की है कि रियायतें बढ़ाने पर खजाने पर और दबाव पड़ेगा.

परिवर्तनीय एफएसआई और विकास शुल्क से अपेक्षित आय

वर्ष 2020-21 : 3879.51 करोड़ रुपये।
वर्ष 2021-22 : 2,000 करोड़ रुपये.
वर्ष 2022-23 : 3,950 करोड़ रु.
वर्ष 2023-24 : 4,400 करोड़ रु.
कुल: 14 हजार 23 करोड़ 41 लाख रुपये.

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com